

# VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS  
M N 28 AUG 2024 No. 3  
RECEIVED

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2370)

Name of Candidate	AJAY KUMAR		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	45939667
Center	M.N.	Date	28/08/2024

### INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

### INSTRUCTIONS

- Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).  
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
- There are **TWELVE** questions printed in **HINDI & ENGLISH**.  
इसमें बारह प्रश्न हैं हिन्दी और अंग्रेजी में छपे हैं।
- All questions are compulsory.**  
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- The number of marks carried by a question/part is indicated against it.  
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.  
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- Word limit in questions, if specified, should be adhered to.  
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.  
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Is student recommended for One-to-One mentoring?

Recommended

Strongly Recommended

16-B, 2<sup>nd</sup> Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp. Punjab & Sind Bank), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009

## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A / SECTION A

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 150 से अधिक शब्दों में न दें:

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) क्या नैतिक विवेक हमेशा नैतिक निर्णयन में कानूनों, नियमों और विनियमों का पूरक होता है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Does moral conscience always complement laws, rules, and regulations in ethical decision-making? Support your answer with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

नैतिक विवेक ही अखिरकार  
नैतिक मूल्यों का अपनी अंतरोत्तमता के  
संयोजन के साथ वस्तुनिष्ठ निर्णय लेता है।

विवेक निर्णय काबूज, नियम, विनियम का पूरक

- i) काबूज का प्रयोग :- किसी भी धरणा के पर  
कारणों के लिए किरा काबूज का प्रयोग  
करना यह विवेक ही बताता है।
- ii) निष्पक्षता का प्रयोग :- निष्पक्षता व विनियमों  
के आधार पर और पक्षपातपूर्ण कारवायों  
विवेक सुनिश्चित करता है।
- iii) उदाहरण :- एक सिविल सेवक के रूप में  
किसी जानकार या सहायता के तहत  
कारवायों काबूज व विनियमों के साथ-साथ  
इसके विवेक ही ही निर्दिष्ट होते हैं।

→ विवेकपूर्ण कार्रवाई ही कानून का सही पालन सुनिश्चित करती है,

उदा- जलम विखण्डन के बाद जमीनी पर अविवेकपूर्ण कानून धोपे गए परिणामतः शुद्ध विवेकपूर्ण प्रकृष्ट हुआ।

कानून व नियमों के तुरक के रूप में विवेकनहीं

(i) कानून का कारिफ्रमण वदना 2 इसी स्थिति में कानून का शासन व नोकशहाही शासन की स्थापना ही जाती है।

उदा- श्री रिजाल में भारतीयों का शक्ति 2 कैरी के बिना विवेक की सजा।

(ii) गंभीर अपराध :- कई बार अपराध की दृष्टि में कि शक्ति 2 इस बिना विवेक विवेक प्रयोग के केसमें पढी कानून पालन किया जाता है।

उदा- रॉप के मामले में कानून प्रयोग

अतः विवेक कानून, नियम पालन में सहायक व गैर सहायक दोनों भूमिका निभा सकता है। परंतु विवेक का प्रयोग ही अच्छे परिणाम सुनिश्चित करता है।

1. (b) भारत जैसे देश में समाज के कमजोर वर्गों के प्रति करुणा का भाव अनिवार्य है और इससे समझौता नहीं किया जा सकता है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
- Compassion towards weaker sections of society is essential and non-negotiable in a country like India. Examine with suitable examples. (Answer in 150 words) - 10

करुणा के भाव का अर्थ है  
कमजोर वर्गों या व्यक्तियों के प्रति सम्मान  
व गरिमापूर्ण व्यवहार करना है।

उदा- जातिगत विषयों की बजाय परीक्षा  
करना।

भारत में कमजोर वर्गों के प्रति करुणा का भाव अर्थ है

- i) विविधतापूर्ण देश :- भारत विविध जाति, धर्म, लैंगिकता वाला देश है, करुणा के भाव से हम जाति धर्म पर सजग रह सकते हैं।
- ii) संवैधानिक मूल्य :- मौखिक अधिकार (14-18) व DPSP भी इसे रखा करने का वाक्य करते हैं।
- iii) सामाजिक सुखी :- मानव सुखी की सामाजिक सुखी में बढ़ोतरी के लिए करनी चाहिए। एक भारत - सौ भारत
- iv) सर्वोच्च दायता :- जाति व वर्गों के आधार पर करुणा का भाव और परिवर्तन सर्वोच्च

शेकेंगा। उदा- 2020 विली डोंगे, जाति डोंगे में  
वीडियों द्वारा अच्छे संदेशों के माध्यम से शांति स्थापना

(iv) ऐतिहासिक शून्यांक मिशन - पुराने कठिनाइयों को  
जो खत्म कर नए समाज को जन्म देना।  
इस उपाय समानता का नया पालन

ऐसी स्थिति में समाज को नए रूप में परिणाम

i) संघर्ष बढ़ेगा :- इन समाजों में पतन  
क्षेत्र पर बढ़ते व नफरत की भावना  
उपजने का डर  
इस उपाय उन्नत दलित कोषालन

ii) एकजुटता का बहिष्कार :- एकजुटता का  
बहिष्कार, एक संस्कृतिक विरोध बढ़ता है।  
उदा- पवित्रता के द्वारा हिंदू धर्म पर कटास करना

iii) विदेशी ताकतों का विरोध :- अपनी आंतरिक  
कमजोरी का बाहरी लालच लगे व हमारे  
देश में शांति का बुरा प्रभाव होगा।

इस गांधी जी के आदर्शों  
को पालन करके ही स्वच्छिंद स्वतंत्र  
देश बन सकता है। पूरे देश में ही लोगों को  
जीना एक अच्छा काम होगा।

2. (a) भारतीय समाज में भ्रष्टाचार मौजूद है और निरंतर फल-फूल रहा है क्योंकि इसे सामाजिक रूप से स्वीकार किया जाता है और महत्वकांक्षा को प्रेरित करने वाला माना जाता है। क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Corruption exists and thrives in Indian society because it is socially accepted and even seen as aspirational. Do you agree with this view? (Answer in 150 words) 10

भ्रष्टाचार की किसी व्यक्ति द्वारा शक्ति या सम्पत्ति का दुरुपयोग या क्षय निजी हित में करना है।  
उदा- आपस धोखा

सामाजिक रूप से स्वीकृत

i) सामाजिक सुभेदना:- गरीब लोगों, महिलाओं को शिक्षित होने के कारण ऐसा व्यवहार सामान्य।  
उदा- UP, बिहार में शूल → लोगों की शिक्षा

ii) मानव संसाधन व रबी के अनुभव में लोगों के समाज में बंधन कि रिश्ते देना एक कर्तव्य है।  
उदा- पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों

iii) कारवारी न होने रण या किसी शिक्षागत पर कोई प्रभाव न होने की श्रद्धाचार की स्वीकृति को बढ़ावा है।  
इसी कारण जारी जनसंख्या के

शहवापार की वजह से 6 मिलियन वार्षिक  
शहवापार का प्रचलित।

सहवापार को रोकने के लिए

- i) जल्दी शहवापार को कम करने की योजना  
में अपनी शहवापार व्यवस्था की सुधारों  
की पहिचान।
- ii) नैतिक पतन : नैतिक रूप से पतित  
व्यक्तियों को नीलाग कर चुके लोगों को  
शहवापार करती हैं।

परंतु कुछ जगह शहवापार  
सामाजिक स्वीकार नहीं है क्योंकि जो  
अविरत रूप से भी किया जाता है।

उदा - हाल ही में UP जखपाल को किसान  
से वसूली का मामला।

→ RTI व शहवापार निवारण कानून,  
1988 के पास से शहवापार को  
कमी की जाए।

→ सोशल टॉडर की योजना मनरेगा  
में सुधार किया है।

इस शहवापार पर लोगों की  
समझौते करने का, सचिव शिक्षा व  
सिवापत निवारण योजना का मनरेगा  
काल, जिससे सामाजिक स्वीकार प्राप्त होगी।

2. (b) सामाजिक उत्तरदायित्व को लोकतांत्रिक शासन को बढ़ावा देने और सेवा वितरण में सुधार करने के साधन के रूप में तेजी से मान्यता मिल रही है। विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Social accountability is increasingly recognized as a means of enhancing democratic governance and improving service delivery. Discuss. (Answer in 150 words) 10

सामाजिक उत्तरदायित्व है  
अभिप्राय: नागरिक संगठनों व निगमों द्वारा  
नागरिकों द्वारा समाज सेवाओं के कार्यों  
का निव्यादन करना है।  
उदा- NCAO के माध्यम

लोकतांत्रिक शासन को बढ़ावा

- i) लाभ मिलना :- सामाजिक उत्तरदायित्व  
से लोगों को अधिक मिल तक लाभ  
प्राप्त होता है।
- ii) संसाधनों का इस प्रयोजन :- संसाधनों का  
उत्तम प्रयोग लोकतांत्रिक बढ़ता है।  
उदा- IAS कार्यक्रमों के द्वारा सहायकों से  
सहकर्मियों
- iii) अधिकार सफलता :- लोगों को अधिकारों  
द्वारा प्रदान किए गए अधिकारों का  
सही प्रयोग सुनिश्चित होता है।

सैन्य वितरण में सुधार

- i) लाभ का अधिकतम करण & परमशुद्धता की प्राप्ति के आदर्श पर बढ़ना।
- ii) उपनीगितावादी सिद्धांत पालन से सैन्य दक्षता बढ़ाना।

सामाजिक उत्तरदायित्व बढ़ाने के उपाय

- i) आपने अभिजाती व वर्तव्य की समझना इसा करती से सैन्य वितरण सुगम होगा।
- उदाहरण । IAS भूषण जोषी द्वारा मिजोरम में बोगवानी बढ़ाना व किसान जीवन सरल किया।
- । IAS शिखा सक्जवाल द्वारा शहरी जीवन में सुधार करना।

इस सामाजिक उत्तरदायित्व पालन से समाज में लक्षणांत्रिक गुरुणा की स्थापना व जीवन में सुधार होता है।



व सामाजिक उत्थान के कार्य ,  
iv) एन. कार्प की इजोम पैना संतकरण द्वारा  
वैश्वान समग्रता से विनि लैरा है।  
उप- गरीबी , SC/ST सहायता की  
प्रति अच्छी दृष्टि रखना।

→ विनीवा गाँव द्वारा समाज कल्याण  
के कार्य ,

→ गंगा जाटकर द्वारा पत्रविश्व विकी पर  
आन्दोलन का प्रयोग।

मानवीय आवाज के लाभ

→ मानवीय आवाज की बढ़तव बर्तन का  
कारण करती है।

→ मलाला युसुफजरी द्वारा शिक्षा के  
क्षेत्र में आवाज उठाना।

4. कैलाश सहायकी का बचपन बचाओ  
कार्यक्रम।

ज्ञान! मानवीय आवाज किसी  
देश की शुरुआत भर (विश्वरूप वरणा  
राम महेश्वर शन द्वारा जारी सिने की बात) पर

समंराना इस कार्य की परम सीमा  
तक पहुँचा सकल बगरी है (जीतिवा  
कुले द्वारा जारी पत्रन व शिक्षा देकर सुधार  
करना)

3. (b) "धैर्य विचारों का मार्शल, इच्छाशक्ति का कवच और तर्क का किला है।" - फ्रांसिस बेकन। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Fortitude is the marshal of thought, the armor of the will, and the fort of reason."  
- Francis Bacon. (Answer in 150 words) 10

धैर्य की जाकिर की सदनशीलता की साथ समय की सभी सकारात्मक व नकारात्मक प्रभावों का सामना करने का सफलता तक पहुँचने की सीढ़ी माना जाता है।

उदा- लगातार सिविल सेवा में जेल रिकॉर्ड बनने में सफल होना।

धैर्य विचारों का मार्शल

→ धैर्य हमारे हाथ आ रहे विचारों में नियंत्रण में मदद करता है।

4. बार-बार असफलता पर धुके की भी रिवेशन देना।

कठिन परिस्थितियों में भी हृदय बजाए रखना

उदा- आलंकिटन विदेश जागर का जीवन।

इच्छा शक्ति का कवच

→ किसी भी कार्य को करने का हमें एक लक्ष्य लेकर चलते हैं जो हमारी इच्छा से शुरू होता है। धैर्य वही इच्छा की

संकेत रखा करता है।

→ धर्म हमारी जीविका का मर्म नहीं है व इसे जिंदा रखता है।

उदा- ग्लिंसन मॉडल के जेल में शकव

↳ लंबे समय बाद भारतीय किर्माटीन द्वारा विश्व मय जीतना

मक का किला

↳ धर्म तकीरों धार करता है जैसे

↳ मंदिर एक दिन जरूर सफल होई है।

↳ की गई मंदिर कहीं न कहीं हाथर काम होती है।

उदा- नवाजुद्दीन सिद्दीकी, पंकज त्रिपाठी

जैसे शक्ति गार्ड की सफलता।

जिस प्रकार धर्म निरंतर संचल रहे लड़ने वाला हमियार है की सपनी की जिंदा रखकर जसोन का मागदिरमि करता है।

“ धीरे-धीरे ई मना, धीरे सब कुछ होय।

माली सीने से धड़ा खेतु भाए फल होय ॥११

3. (c) "चरित्र बार-बार दोहराई जाने वाली आदतें हैं और बार-बार दोहराई जाने वाली आदतें ही चरित्र को सुधार सकती हैं।" - स्वामी विवेकानंद (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Character is repeated habits, and repeated habits alone can reform character." - Swami Vivekananda (Answer in 150 words) 10

चरित्र व आदतों में लंबा  
संबंध होता है, क्योंकि आदतों से ही  
हमारे चरित्र का निर्माण होता है व  
चरित्र ही हमारे भाग्य का निर्माण  
करता है।

उदा- एक बार अच्छी आदत → अच्छा चरित्र  
↳ महान वादशाह ←

विचार → आदत → अभिवृत्ति → भूल →  
भाग्य ← चरित्र ←

आदतों से चरित्र सुधारना

i) वृत्त्याचार भाग :- जीवन में किसी भी  
प्रकार का वृत्त आचर्य अच्छी आदत  
से सुलभ सकता है।

उदा- एक लार्क गिरान की आदत अपना  
पलविरोध ब्रह्म करना शकना।

ii) समाज में सुधार :- समाज की आदतें  
सुधार कर की निर चरित्र निर्माण

किया जा सकता है।

उदा०- गुरु जगेश्वर द्वारा 'श्व शाफती' का  
संघ बना विद्यार्थी पत्रिका एवं स्थापना।

(iii) दश सुधार :- भारत 1960-70 के  
दशक में कर्ज जाल में फंसा 1991  
में शाफत सुधारी के तबल्लुजस्य पररी  
पर जारी → ठाब विद्यार्थी की ठाँ  
अभिसर

शाफत सुधार अन्य उदाहरण

↳ नीरज चौपड़ा - 15 वर्ष उम्र 70kg वजन  
परंतु जिम गया। गैदना की व गोलंपिक में  
बना।

शाफत सुधार तरीके

↳ उत्तर रूत अपनाना → किसी की  
कार्य की एक बार शुरू जरूर करें → मन  
लगेगा → शाबस अभ्यास।

↳ अनुशासन :- प्रधान आदर्श से प्रेरणा  
करके अनुशासन अपनाना।  
उदा० स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा।

वसलिया किसी व्यक्ति की शाफती ही  
समाज की उसके प्रति अभिवृत्ति का  
निर्माण करती है। शाफत सुधार से  
बुद्धि विकास व शुद्धि से ही न्याय का  
निर्माण होगा।

4. (a) संगठन कर्मचारियों पर पड़ने वाले अनुचित दबाव को रोकते हुए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को किस प्रकार संतुलित कर सकते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How can organizations balance healthy competition while preventing undue pressure on employees? (Answer in 150 words) 10

संगठन में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को संतुलित रखने के लिए संगठनों को अपने कर्मचारियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना चाहिए। इससे कर्मचारियों को अपने काम में उत्कृष्टता के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा

- i) स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना चाहिए, इससे प्रतिस्पर्धा - सभी हितधारकों का लक्ष्य सुनिश्चित करने में मदद करता है।
- ii) मात्रा नहीं गुणवत्ता पर कल देना मात्रा की बजाय गुणवत्ता देकर नाम नमाना जा सकता है।  
उदा- महंगी राइडिंग की धड़कना (वाच)।
- iii) कर्मचारी स्वस्थ रूप से काम कर सकें कर्मचारी ही कंपनी के भविष्य के लिए उत्तरि पाणिदान दे पाता है।
- iv) संरक्षित उदाहरणों से सीखना शुरू करना

जो सप्ताह के <sup>कार्य</sup> दिनों को अनकारक  
माना कि कार्रगारी की उत्पादकता में  
बढ़ोतरी करे है।

iv) सक्ती संगठनों की कार्रगारियों के लिए  
मानक जीवन व नियंत्रण :- सक्ती संगठनों  
की कार्रगारी सुरक्षा के मानकों पर ही  
बारी बढ़ना चाहिए - कार्रगारी सुरक्षा की  
होगी व प्रतिस्पर्धा भी रहेगी।

v) जनता विश्वास पर कार्य करना जनता उसी  
संगठन पर कर्सेस रखती है की कार्रगारियों  
से मानवीय व्यवहार करता है।

कार्रगारी बाव हरन के लाज

- ↳ निजी व सार्वजनिक जीवन में संतुलन  
होगा
- ↳ बर्बाद की सम्स्या दूर होगी
- ↳ कंपनी का लाभ बढ़ेगा।

कहा संगठन की कार्रगारी की  
कल्याण के साथ ही प्रतिस्पर्धा करनी  
चाहिए की कार्रगारी नेतृत्व की भी  
बढ़ाना देता है।

4. (b) प्रबंध का अर्थ कार्यों को सही करना है; नेतृत्व का अर्थ सही कार्य करना है। विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।  
(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Management is doing things right; leadership is doing the right things. Elaborate.  
(Answer in 150 words) 10

किसी भी संगठन में प्रबंधन  
व नेतृत्व दोनों ही अलग भूमिका  
निभाते हैं। प्रबंधन में सही कार्य व  
नेतृत्व में सही तरीके की भूमिका  
रहती है।

### प्रबंधन का महत्व

- i) कार्यों का निपटारा - प्रबंधन अंतर से  
आए लक्ष्यों को हासिल करने के लिए  
कार्य करता है।
- ii) नवान्कारी को सिला व्यक्त - प्रबंधन द्वारा  
कार्यों में नवान्कार की क्षमता सही व  
समय पर कार्य शक्ति पर जोर दे  
रकिया जाता है।
- iii) प्रबंधन दैनिक जीवन में संगठन के  
सम्बन्ध में जुड़ा है। व्यक्तियों के जो गहरी  
में सही की भूमिका अलग है।

### नेतृत्व भूमिका

- i) कार्य को दिशा देना - नेतृत्वकारी की प्रमुख

काफी → टास्ककी सही फिरो देना  
है। इससे लाभ का अधिकतमकरण  
व उपजाविले अनुभव होती है।

ii) नेतृत्वकर्ता द्वारा विभिन्न प्रकार  
नवाचार सुझा कर बदलाव लाए जाते हैं।  
उदा. - रतन भस्कर द्वारा शेकर लाये के  
बाद वापिस ले डिं के जावसैफ पर प्रामाण्य।

### शुद्ध नेतृत्वकर्ता

- ↳ शुद्धी कार्य सस्कृति का विकास
- ↳ आवनात्मक बुद्धिमत्ता का पालन करते  
हो करीबारी की स्थिति समझना
- ↳ असंतुलित दबाव न बनाते हुए स्वस्थ  
प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना।

अतः किसी भी संगठन में  
अगर नेतृत्वकर्ता नाविक हैं तो वही  
प्रबंधन का नाविक के मददगार हैं। जिसमें  
शुद्धी मिलकर गोंका को नहीं के  
पार ले जाते हैं।

5. (a) अभिवृत्ति का निर्माण समाजीकरण की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण पहलू है। व्यक्तियों में अभिवृत्ति के विकास में योगदान देने वाले विभिन्न कारकों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Formation of attitudes is a crucial aspect of the socialization process. Discuss the various factors that contribute to the development of attitudes in individuals. (Answer in 150 words) 10

अभिवृत्ति की किसी व्यक्ति की किसी अन्य व्यक्ति। वस्तु इसके प्रति एक धारणा है जो समासात्मक व नवसात्मक दोनों ही हो सकती है।  
उदा० विदेशी लोगों की भारत की प्रति धारणा

अभिवृत्ति समाजीकरण की प्रक्रिया

1. समाज में एक व्यक्ति का जीवन जीना →  
(बेमिना जाती, श्रमों का लान करना →  
इसी से अभिवृत्ति निर्मित।  
उदा- लड़की कमजोर व चरल, बजाहिर पर  
इस, नीच की मानसिकता बनना।

अभिवृत्ति विकास में परिवार की भूमिका

- i) परिवार :- सर्वप्रथम शुरू नहीं है समाज व आपसी संबंधों की जानकारी शुरू  
उदा- बड़ी का सम्मान करने की अभिवृत्ति
- ii) समाज :- द्वारा पड़ोस के लोगों से मिले जिलाप, शारंगार, प्रतिस्पर्धा के

भावी का विकास होना।

iii) शिक्षा :- शिक्षा के द्वारा ही एक हंसान की जीव रची जाही है जो अपने सुखी जीवन देना दिखने का कार्य करती है।

उदा- गुरुकुल पद्धति में सभ्य बकिवृत्ति विकास।

iv) अनुभव :- बकिवृत्ति निर्माण में सबसे महत्व का है जो बना है - स्कूल में हम सबक सीखने परीक्षा देते हैं वही जीवन में हम परीक्षा देकर सबक सीखते हैं।

→ जीवन के अच्छे व कड़े अनुभव के व्यक्ति की बकिवृत्ति निर्माण।

उदा- महिला का बचपन से दमन से नशीला का उत्पादन होना।

v) चल-चित्र। उदाहरण आदि :- कभी-कभी किसी शूरी, सामाजिक प्रमाण से भी हमारी बकिवृत्ति प्रभावित होती है।

उदा- आर्थिक।

जैसे कि जग र. की जो अच्छे महत्वा का कथन सही है - हम कभी एक हंसान का भी बकिवृत्ति आस पास के हमारे लोगो से बने हुए विराग है।

5. (b) किसी भी कार्यस्थल पर संघर्ष अपरिहार्य होते हैं और प्रशासनिक भूमिकाएं भी इसका अपवाद नहीं हैं। इसके आलोक में, संघर्ष प्रबंधन में भावनात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Conflicts are inevitable in any workplace, and administrative roles are no exception. In light of this, discuss the role of emotional intelligence in conflict management. (Answer in 150 words) 10

भावनात्मक बुद्धिमत्ता एवं अज्ञान  
स्वयं व दूसरों की भावनाओं को समझने  
का परिणाम के बिना घर अपनी कार्यवाही  
को निर्दिष्ट करना।

उदा:- धूमिल की गलती पर सीनियर का  
भयानक व्यवहार।

संघर्ष प्रबंधन में EI

i) सुनने की क्षमता बढ़ाना :- सामने वाले  
के बिना सुनना  
4. केवल सामने के लिए ही साहस की  
जरूरत नहीं होती बल्कि सुनने के लिए  
भी साहस चाहिए।

ii) आत्म नियंत्रण :- विपरीत परिस्थिति में  
स्वयं की भावना या भावना पर नियंत्रण  
करना।  
उदा:- कार्य स्थल पर मुस्कराना करना।

iii) सामाजिक जागरूकता :- दूसरों के  
सहज भावनाओं के बारे में सचेत

जानकारी होना ताकि फैसला करती है।  
सभी पक्षों को शामिल करना।

4. एन सी कार्पोरेशन पर वॉश का सती के  
बाहेर में जानकारी।

10) समानता:- एन सी द्वारा दूसरे कुछ दृष्टि  
समस्या की आपा दलना।

↳ कार्पोरेशन पर हम बात ही सकती है।  
परंतु हमें यह देखना चाहिए कि किसी दूसरे  
का कुछ हम से भी ज्यादा है।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायिक आदेश

4. तेलंगाना 195 रोजा राजेश्वरी श्री 5  
जाकर लोगों को शांत करना।

गैलर आदेश

4. दिल्ली शांत 195 का राजेश्वरी शर्मा द्वारा  
पब्लिक में जाकर को न्याय करना।

एन सी की शक्ति

कार्पोरेशन पर स्वयं की  
भावनाओं का उपाल सभना

4. दूसरे वेंसी न्यायिक का त्पण  
4. सक्ती साप लेकर चलने का बुरा विकार  
करना।

क्षेत्र: भावनात्मक बुद्धिमत्ता से हम  
लोगों की समस्याओं को दूर करते हैं।  
कल्याणकारी राज्य की स्थापना कर सकते हैं।

6. (a) चर्चा कीजिए कि अभिवृत्ति विश्व के साथ हमारी धारणाओं और अंतःक्रियाओं को आकार देने में किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how attitude plays a crucial role in shaping our perceptions and interactions with the world. (Answer in 150 words) 10

अभिवृत्ति किसी भी व्यक्ति या विशेष के प्रति हमारी धारणा होती है। यह सकारात्मक व नकारात्मक दोनों रूपों में हमारे मानों को प्रभावित करती है।

विश्व के साथ अंतः क्रिया में अभिवृत्ति भूमिका

- i) अभिवृत्ति से ही हमें वर्तमान में अभिवृत्ति से हमें ज्ञान होता है कि किसी भी देश की फिलहाल क्या स्थिति है।  
उदा- अमेरिका में राष्ट्रपति को देखते हुए मात्रा न करने का फैसला लगा।
- ii) हमें सकारात्मक कार्यों- अभिवृत्ति हमारे अंदर की चीजें पहचानने से भी सहायता है।  
उदा- चीन व अमेरिका से आर्थिक संबंधों के प्रतिस्पर्धा के अंदर दायें करने से बचना।
- iii) इतिहास से धारणा निम्नलिखित विश्व के देशों के बारे में धारणा प्रदान करता है-  
• औपनिवेशिक काल का शासन, फसल उत्पादन

आफि भी निम्नलिखित करते हैं।

उदा०- एक भारतीय हॉरी ड्रॉ ब्रिटेन पर  
नकारात्मक शक्तिवृत्ति रचना।

i.) सामाजिक जागरूकता + शक्तिवृत्ति से विश्व  
के प्रति हमारी जागरूकता का भी निर्माण  
होता है।

उदा०- हाफि की फिल्मों के शीर्षक व उनके  
भाव के तथ्यापवाद के साथ रिलेट करना।

ii.) सकारात्मक शक्तिवृत्ति ही उत्साहजनक  
की शक्ति प्रेरित करती है वही नकारात्मक  
शक्तिवृत्ति बर्तन-क्रिया पर रोक भी लगाती है।

उदा०- जापान से रिश्ते बढ़ाना व चीन के  
उत्पादों का बहिष्कार।

बतः शक्तिवृत्ति निश्चि निश्चिनी  
समूह कड़ी है। किसी भी तरह के  
असंगत से हुरी व कठोर कठिनायी  
शक्तिवृत्ति से बनकर लचीलापन बना ही  
जीवन को सरल बनाता है।

6. (b) हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि जेनरेशन Z पिछली पीढ़ियों की तुलना में एकाकीपन के उच्च स्तर का अनुभव कर रही है। इस प्रवृत्ति के संभावित कारण क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Recent studies indicate that Generation Z is experiencing higher levels of loneliness than the previous generations. What are the possible reasons for this trend? (Answer in 150 words) 10

जेनरेशन Z की समस्याएं:  
1997 के बाद जन्मवालीं का माना जाता है।  
इस जेनरेशन में तकनीकी बदलावों के  
कारण तरह के प्रभाव डाले हैं।

एकाकीपन उच्च स्तर कारणों

- i) तकनीक आगमन :- तकनीक स्मार्टफोन, कंप्यूटर आगमन के स्क्रीन जाल में फंसेना
- ii) प्रतिस्पर्धा :- प्रतिस्पर्धा विस्तार, शिक्षा का दबाव व शकलता की दृष्टि
- iii) तेजीकरण :- उल्टा बिलार पैराम से गए बूल्फ आगमन → छोटे परिवार की ब्यारणा। → परिवार द्वारा बच्चों पर गुरा ब्यारण न देपाना → माता पिता दोनों का कामकाजी होना।
- iv) दोषसाध :- दैनिक जीवन की उठापठके सभ्यता व फोन की कारण

शेवसादे के मामले लगातार बढ़ रहे → आत्महत्या

v.) सामाजिक मिलाप अलग-अलग वीडियो गेम, इंटर,  
वीडियो कॉल के कारण समाजीकरण की  
बाधा पर नकारात्मक असर।

vi) इंसानों से जुलना नकारात्मक तुलनात्मक  
आत्मन के कारण ही अपने स्वयं से ठीक  
जाता है। → स्वयं के जीवन से हीन करना  
चाहिए → इस व गलत भावनाओं को दूर करा जाए।

सुधार ↓ स्क्रीन टाइम न कंट्रोल जल्दारी  
↓  
शेवसादे मनादर्शन पदल  
↓  
समाजीकरण - कील्ड गेम खेलना

↓ एकल परिवार न मात्रा पिरा की  
जिम्मेदारी बच्चों को समझ देना।

उदा - अकिनेल काभिर काव - "30 वर्षी से शुरू  
परिवार को समझ नहीं दे पाया। बच्चों  
को जबरन के बका राह नहीं देना पना।

अतः एनोटीशन 2 को उत्पादक  
व विक्रमिक के दुष्परिणामों को जानकर  
वर्तुल की वजान दिल दुनिया से  
आकर सपने किरबारा की रचना करनी  
चाहिए।

खंड B / SECTION B

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उनके उपरांत वाले प्रश्नों का उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में)

**In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):**

7. नीरज ने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और वह एक बड़ी आईटी कंपनी के वित्त एवं विश्लेषण विभाग में कार्य करता है। हाल ही में, नीरज को बिक्री के रिकॉर्ड में एक चिंताजनक विसंगति का पता चला, जिसने सत्यतापूर्ण रिपोर्टिंग हेतु कंपनी की प्रतिबद्धता के बारे में निवेशकों के लिए चिंताएं उत्पन्न कर दीं।
- नीरज की कंपनी की विशेषता संवृद्धि को बढ़ाने, बिक्री में तेज़ी लाने और अधिक लाभ कमाने के इच्छुक अन्य व्यवसायों को सॉफ्टवेयर सेवाएं प्रदान करना है। किसी उत्पाद की लागत आवश्यक सेवाओं के प्रकार पर निर्भर करती है। एडवांस पैकेज महंगे होते हैं और इनकी अधिक बिक्री से कंपनी के लिए मजबूत संवृद्धि का संकेत प्राप्त होगा।
- हाल ही में, नीरज को एक नया प्रोजेक्ट सौंपा गया जिसमें उत्पादों को खरीदने वाले ग्राहकों की संख्या और एडवांस बनाम बेसिक पैकेजों पर खर्च की गई राशि को दर्शाने वाला एक विज़ुअल विकसित करना था। हालांकि, प्रोजेक्ट के लिए किए गए शोध में, उसे बिक्री की रिपोर्टिंग का एक ऐसा पैटर्न मिला जिसने उसे विचलित कर दिया।
- नीरज ने देखा कि यदि किसी ग्राहक ने 50 लाख रुपये के "एडवांस" उत्पाद और 50 लाख रुपये के "बेसिक" उत्पाद खरीदे हैं, तो 1 करोड़ रुपये की समग्र बिक्री को "एडवांस" उत्पादों की बिक्री के रूप में वर्गीकृत किया गया था। उसे इस तरह के कई उदाहरण मिले तथा गलत तरीके से दर्शाई गई राशि करोड़ों रुपये में थी। एक कर्मचारी के तौर पर, वह इस बात से परेशान है कि कंपनी की बिक्री को वास्तविकता से अधिक मजबूत दर्शाने से निवेशकों को भ्रामक जानकारी प्राप्त हो सकती है।
- नीरज को लगता है कि सही कार्य यही होगा कि वह अपनी बात कहे और कंपनी के बिक्री संख्या को अभिलेखित करने के तरीके को ठीक करने का प्रयास करे। वह इस बात से बहुत परेशान है कि यह बेईमानी है, और उसकी व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा और नैतिक मूल्यों के विरुद्ध है।
- हालांकि, नीरज कंपनी में नया कर्मचारी है और कोई बड़ी समस्या नहीं खड़ी करना चाहता है। वह यह भी सोच रहा है कि क्या बिक्री रिकॉर्ड करने के तरीके के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण हो सकता है। जब नीरज ने अपने वरिष्ठ से सलाह ली, तो उसे बताया गया कि यह कॉर्पोरेट संगठनों में आम तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली "रचनात्मक लेखांकन (क्रिएटिव अकाउंटिंग)" प्रथा है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि बिक्री की कुल राशि में हेराफेरी नहीं की गई है।
- इसके अलावा, यह एक तनावपूर्ण समय है, जिसमें कई तकनीकी छंटनी हो रही हैं और नीरज की स्वयं की कंपनी ने छंटनी किए जाने की घोषणा की है। एक नए कर्मचारी के रूप में, वह जानता है कि वह नौकरी से निकाले जाने वाले पहले कर्मचारियों में से एक हो सकता है। इसलिए, वह अभी अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठाना चाहता क्योंकि उसे किराए जैसे अन्य खर्चों के अलावा छात्र ऋण भी चुकाना है।
- (a) इस प्रकरण में नीरज के समक्ष कौन-सी नैतिक दुविधाएं हैं?
- (b) कार्य संस्कृति किस प्रकार कर्मचारियों द्वारा संभावित गलत कार्यों की रिपोर्ट करने की इच्छा को प्रभावित करती है?

(c) नैतिक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने में नेतृत्व की क्या भूमिका है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Neeraj is a recent college graduate who works in the finance and analytics department of a large IT company. Recently, Neeraj discovered an alarming discrepancy in the recording of sales, which raised concerns about the company's commitment to truthful reporting to investors.

Neeraj's company specializes in providing software services to other businesses that want to drive their business growth, accelerate sales, and earn more profits. The cost of a product depends on the type of services required. Advanced packages are costlier, and selling more will indicate stronger growth for the company.

Neeraj was recently tasked with a new project to develop a visual showing the number of customers who had purchased products, and the amount spent on advanced vs. basic packages. But, in his research for the project, he came across a pattern of reporting sales information that disturbed him.

Neeraj saw that if a customer had purchased Rs. 50 Lakh worth of "advanced" products and Rs. 50 lakh worth of "basic" products, the entire Rs. 1 Crore worth of sales were classified as sale of "advanced" products. He discovered multiple instances of this kind and the misrepresentation amounted to crores of rupees. As an employee, he grapples with the unsettling realization that investors may be receiving misleading information to make the company's sales look stronger than they in fact are.

Neeraj feels that the right thing to do would be to speak up and try to fix the way the company reports its sales numbers. He is deeply troubled by what appears to be dishonesty, as it conflicts with his personal integrity and moral values.

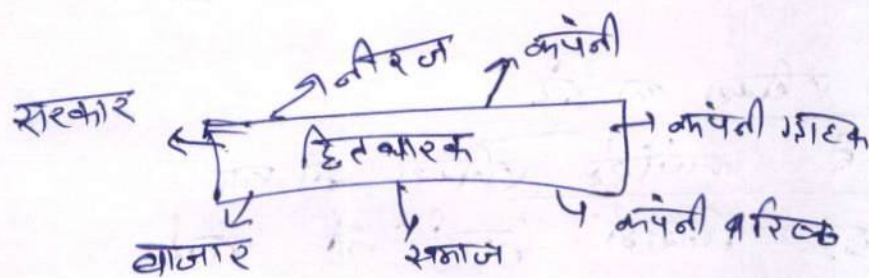
But, Neeraj is new to the company and does not want to create any major problems. He also wonders if there is some good explanation for the way that the sales are recorded. When Neeraj consulted his senior, he was told that this is a "creative accounting" practice common in corporate organizations. He also indicated that the total amount of sales has not been fudged.

Moreover, it is a stressful time, in which many tech lay-offs are taking place and Neeraj's own company has announced that there would be layoffs. As a new employee, he knows that he may be among the first employees considered for firing. Hence, he does not want to do anything to risk losing his job right now because he has student loan to pay off apart from other expenses like rent.

- (a) What are the ethical dilemmas faced by Neeraj in this case?
- (b) How does the work culture influence employees' willingness to report potential wrongdoing?
- (c) What role does leadership play in fostering an ethical work culture? (Answer in 250 words)

20

प्रस्तुत जैसे शरी में कार्पोरेट एजिन्स में गलत जानकारी को शरी बता कर प्रचार करने में व लाखों लोगों का भ्रम रचा गया है।



(a) नैतिक दृष्टिकोण :-

(i) कार्पोरेट एजिन्स बनाम गलत जानकारी

एक ठीक और नैतिकता रखने वाली जानकारी को प्रसारित करने के बजाय दूसरी तरफ एजिन्स में गलत कार्य करने की शक्ति बनाम पचासी का द्वंद्व

(ii) निजी हित बनाम शारीरिक हित

एक ठीक नीरज का स्वतंत्रता का प्रभाव हित बनाम कंपनी के गलत कार्य से वाकई हितकारकों के हितों को नुकसान का प्र।

(iii) अंतरात्मा बनाम वरिष्ठ की शलाह

एक ठीक नीरज की अंतरात्मा कार्य को

गलत बता रही है वही वरिष्ठ कर्मचारी  
द्वारा उसे सही साबित किया जा रहा है।

iv) कंपनी की निष्ठा बनाम गलत कार्य

एक और नरिज की कंपनी में निष्ठा  
पूरा करी और कंपनी द्वारा गलत प्रथा का  
पालन → दोनों का एक साथ संभालना मुश्किल।

v) कार्पोरेट एथिक्स का दंड

कंपनी की कार्पोरेट एथिक्स भी एक  
नैतिक दृष्टि जिसमें निष्ठा को अपने  
अनुसार ठाल कर लाया गया है।

vi) कार्य संस्कृति का कर्मचारी की रिपोर्ट करने  
की प्रभाव पर प्रभाव →

i) अच्छी कार्य संस्कृति

4. इसी स्थिति में कर्मचारी को निरंक  
अनुसार व अपडेट करने का मौका  
मिलता है।

→ इसी स्थिति में कर्मचारी को कार्य  
में प्रभाव का होता है व कंपनी को  
लाभ प्राप्त होता है।

→ इसी कार्य संस्कृति के कारण  
गलत कार्य करने का अवसर नहीं  
होता व कंपनी के लक्ष्य के साथ -

साथ दितकारकों का लाभ की  
धुनिकीयत होता है।

(ii) खराब कार्य संस्कृति प्रभाव

1. गलत कार्य के लिए अनुचित दंड  
लगा जाता है। कार्यस्थल पर  
कर्मचारी को निरंतर हताशाह का  
सामना करना पड़ता है।

→ उच्च कर्मचारी का सहयोग नहीं  
धुनिकीयत की कार्य करना समझ दी जाती  
है व मशीन की तरह कार्य करता है।

→ हताशाह के संकेत के कारण कर्मचारी  
को भागदंड व शारीरिक तनाव की  
स्थिति का सामना करना पड़ता है।

(c) नैतिक कार्य संस्कृति बढ़ावा नीति व धुनिकीयत

i) अगर उच्च लेवल पर नैतिकता है  
तो निचले स्तर पर भी उसका प्रसार  
हो जाता है।

उदाहरण - TCS व Google की नीति

→ इसी स्थिति में उच्च नैतिकता है  
द्वारा कर्मचारियों का सहयोग

लेना है व किसी भी सघर्ष की  
तालम की लिए प्रतिबद्ध होता है।

→ उच्च स्तर पर नैतिकता से कंपनी की  
धरि का निर्माण होता है जो दिव्य  
व समाज का विश्वास बढ़ाती है।

→ अच्छा नैतिकता सभी कर्मचारियों की  
बराबरी का सम्मान देता है व सुधार के  
लिए उत्तर देता है।

→ अच्छा नैतिकता होने से कंपनी में  
लक्ष्य प्राप्त हो सक्ती है।

सि.मटी द्वारा नैतिकता या नैतिकता न होना  
द्वारे कोर्पोरेट के खर्चे में गलत देता है -  
एक डाल ही है रेलिगियन ए.पी.एम.  
की अनैतिक प्रथा पर गिरफ्तारी से 2.5 लाख  
वर्ष की कंपनी पर संकेत ।

द्वारा नैतिकता के करी कंपनी  
में उच्च ए.पी.एम का परिचय है जो  
कार्योत्तर दक्षिण में करने का  
प्रकार करना चाहिए । नैतिकता गवर्न की  
स्थिति में भी नैतिकता के खर्चे हुए  
कम समय के लक्ष्य के लिए गलतकी सघर्ष की चाहिए।

8. आप एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (PSU) के निदेशक हैं, जिसकी विशेषता देश के लिए महत्वपूर्ण रक्षा उत्पादों का निर्माण करना है और इन उत्पादों को विश्व भर में निर्यात करना है। आपका उपक्रम अपनी विशेषज्ञता और दक्षता के लिए प्रसिद्ध है, क्योंकि इसे निरंतर समय पर महत्वपूर्ण उत्पाद वितरित करने के लिए जाना जाता है।

हाल ही में, आपके उपक्रम को एक उच्च प्राथमिकता वाली रक्षा परियोजना के भाग के रूप में विशिष्ट उत्पादों के निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण ऑर्डर प्राप्त हुआ है, जिसकी समय सीमा बहुत कम है। हालांकि, आपको एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। कच्चे माल की बढ़ती लागत और बजट की कमी के कारण, वर्ष के लिए आवंटित उपक्रम की धनराशि लगभग समाप्त हो गई है। वहीं, तेजी से निकट आ रही समय सीमा पर इस महत्वपूर्ण रक्षा परियोजना को पूरा करने के लिए अतिरिक्त जनशक्ति को काम पर रखना एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है, लेकिन कुछ महीनों बाद किए जाने वाले अगले बजटीय आवंटन तक ऐसा संभव नहीं है। इस बीच, आपके मौजूदा कर्मचारी, जो पहले से ही सप्ताह में छह दिन 10-11 घंटे की कठिन शिफ्ट में कार्य कर रहे हैं, स्पष्ट रूप से हतोत्साहित हैं और उनमें थकान के लक्षण दिख रहे हैं।

आपने इस मुद्दे को वरिष्ठ प्रबंधन के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसमें अस्थिर कार्य शेड्यूल और संभावित बर्नआउट(थकान) संबंधी जोखिमों को रेखांकित किया गया था। प्रबंधन ने स्थिति को स्वीकार किया, लेकिन वित्तीय घाटे से विवश होकर, आपसे आंतरिक समाधान खोजने का आग्रह किया। यह सुझाव कार्यभार को और अधिक वितरित करने का था, जिससे मौजूदा कर्मचारियों के लिए अधिक ओवरटाइम का प्रावधान किया जा सके।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर प्रकाश डालिए।

(b) आपके पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उपर्युक्त मुद्दे का समाधान करने के लिए आप क्या कदम उठाएंगे?

(c) बर्न आउट (थकान) एक महत्वपूर्ण कारक है जिसके परिणामस्वरूप कर्मचारियों का मनोबल गिरता है। इस संबंध में निजी कंपनियों और सरकार को क्या कदम उठाने चाहिए? (उत्तर 250 शब्दों में दें)

You are the Director of a Public Sector Unit (PSU) that specializes in the manufacturing of critical defense products for the country and exports it all over the world. Your unit is renowned for its expertise and efficiency, as it consistently delivers vital products on time.

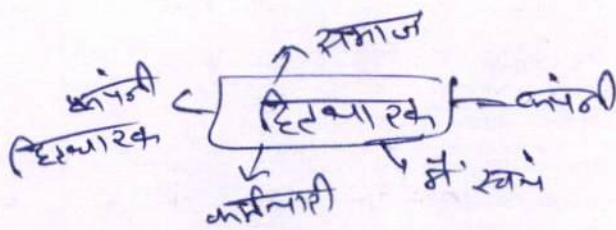
Your unit has recently received a crucial order to manufacture specific products as part of a high-priority defense project with a tight deadline. However, you face a daunting challenge. With rising raw material costs and budget constraints, the unit has almost exhausted its funds for the year. Hiring additional manpower, a crucial need to meet the fast-approaching deadline for a critical defense project, is out of the question until the next budgetary allocation which is going to happen in months. Meanwhile, your existing workforce, already putting in grueling 10-11 hour shifts, six days a week, is visibly demotivated and showing signs of fatigue.

You presented the issue to the senior management, highlighting the unsustainable work schedule and potential burnout risks. The management acknowledged the situation but, constrained by the funding deficit, urged you to find internal solutions. The suggestion was to further distribute the workload, thereby implying more overtime for the existing employees.

(a) Highlight the ethical issues involved in the above case.

- (b) Evaluate the options available to you. What course of action you will take to address the above issue?
- (c) Burn out is a critical factor resulting in demotivation of employees. What steps should the private companies and government take in this regard? (Answer in 250 words) 20

प्रस्तुत जैसे स्थिति में  
 कंपनी के अत्यधिक दबाव व कपरी  
 के प्रशासन का सद्व्यवहार न होने से  
 कपरी में बर्न आउट जैसे गंभीर  
 प्रभावों के बारे में चिन्ता होना है।



शामिल नैतिक मुद्दे

i) कर्मियों के दबाव का मुद्दा - कार्पोरेट  
 पर जो तरह का दबाव शामिल की  
 है, जो कि बिना कर्मियों के  
 का विरोध करता है।

ii) कर्मियों के सिक के रूप में  
दुविधा का मुद्दा :- नैतिक तौर पर  
 कर्मियों के साथ व्यवहार नहीं  
 है। इसी विधि में कर्मियों  
 कर्मियों दिल में कर्मियों

iii) बनी बाउट जैसी समस्या :- कार्मचारियों की  
मशीनीकरण की कारण नही - नही शारीरिक  
व मानसिक बीमारी समाज के लिए खतरा।

iv) कंपनी के लाभ का सुदूप :- कंपनी का  
विकास करते केवल लाभ के लिए सौंपने  
का कार्य करना कार्पोरेट रिजिम्स पर  
भी खतरा डालता है।

### ⓑ उपलब्ध विकल्प

(i) कार्मचारियों का शोषण रोकना

मुना

i) कर्मचारी संगठन व  
कार्मचारी स्वास्थ्य के लिए लक्ष्य

• कामाल रख्य से  
कंपनी को लाभ पर  
ठगर

ii) बनी बाउट से कामाल अच्छा  
काम करेगी → कंपनी लाभ

• कंपनी के दुपर से  
खाल से गैरी नौकरी  
की खतरा।

(ii) समाप्ति जारी रखना

मुना

• कंपनी का लाभ व  
वित्तिय धारा बन्द  
- गैरी नौकरी की  
भी नही खतरा  
नही

दाब

• कंपनी कर्मचारी स्वास्थ्य  
पर बुरा ठगर से किसी  
हालत बिगरी से व्याप  
धवि धराव होंगी।  
• गैरी कर्मचारी का संभर  
जारी रहेगा।

3.) कंपनी से वातचीत व ब्रेक लेना

गुण

- क्षमता से कार्यकारी फ्रेंड हींगे
- वित्त की व्यवस्था कर लिया समान मिलेगा

दोष

- कंपनी से बित्त मिलना निश्चित नहीं
- कंपनी का सबाह पर मानना निश्चित नहीं

गैरी कारबार

→ चुकी कंपनी व कार्यकारी दोनों के बीच ही दूब की स्थिति रहे में तीसरा विकल्प सबसे उपयुक्त है।

→ ब्रेक से कंपनी की लवि ही खराब नहीं होगी व ई-विकल्प की व्यवस्था ही ही संभव है।

→ दिग्गजों से कंपनी के गोंबुय हालत के बारे में बातचीत जा सकता है कि लोगों का विश्वास कमजोर रहे।

→ अगर कार्य जारी रहा तो परामर्श के व्यापक जारी दुरुपरिणाम सामने ला सकता है वस सरकार कंपनी के कार्यकारी को ब्रेक लेना व वित्त व्यवस्था करना उपयुक्त समझेंगे।

C) अज्ञान रोकने के उपाय

i) विदेशी उदाहरण से सीखना - अज्ञान रोकने के उपाय के सफाई का फलन।

ii) समान्यतम प्रक्रिया - कार्य करने का क्रमचारी तरीका बन जाता है। इसलिए समान्य पैदा करने वाले ब्रैक ही।  
उदा- अपनी क्रमचारी को परिष्कार करते हुए पर ध्यान।

iii) अविश्वसनीय व्यवस्था - समय से ज्यादा कार्य करने के बल व पैसा दोनों स्पष्ट होने चाहिए।

iv) अपनी को लागू से ठीक सौचन - अपनी को पाँच क्लास, मीटिंग व अन्य कार्यालय को अनोखे बनाना चाहिए।

उदा: कार्जोरे एडिटर को क्रमचारी के अविषय व वर्तमान के बारे में विचार कर के नेतृत्व द्वारा इन्हें काम करने की दायगी व कारण दोनों में संतुलन स्थान चाहिए।

9. एक अग्रणी न्यूट्रास्युटिकल कंपनी में अनुसंधान एवं विकास विध्वेषक के रूप में, आप पोषक तत्वों से भरपूर बायोमास, जो त्वचा और हड्डियों के स्वास्थ्य में सुधार करता है, के विकास में सक्रिय रूप से शामिल रहें हैं। शोध के परिणाम आशाजनक हैं और आपकी टीम आगामी उत्पाद को लॉन्च करने के बारे में उत्साहित है। नियमित रूप से होने वाली अंतर-टीम मीटिंग के दौरान, आपको अकस्मात ही अपनी कंपनी के किसी अन्य उत्पाद से संबंधित शोध परीक्षणों और दस्तावेजों के बारे में पता चलता है। यह उत्पाद वजन कम करने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का दावा करता है, लेकिन गहन निरीक्षण करने पर, आपको पता चलता है कि परीक्षण गलत तरीके से किए गए थे और शोध के परिणाम सामान्यीकृत थे, हालांकि, इस उत्पाद के कोई दुष्प्रभाव नहीं थे। यह उत्पाद केवल प्लेसीबो प्रभाव पर काम करता है। संभवतः इस उत्पाद के लिए उत्तरदायी टीम अंतर-टीम मीटिंग के बाद इन दस्तावेजों को अपने साथ ले जाना भूल गई। कंपनी की नीति के अनुसार, अन्य टीमों के शोध परीक्षणों के बारे में जानना कठोरता से प्रतिबंधित है। इस उत्पाद से जुड़े झूठे दावे कंपनी के भीतर इसकी उच्च बिक्री में महत्वपूर्ण रूप से योगदान करते हैं। यदि झूठे दावों के बारे में जानकारी उजागर हो जाती है, तो इससे संभावित रूप से कंपनी को नुकसान हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप कंपनी बंद होने जैसे गंभीर परिणाम भी उत्पन्न हो सकते हैं और आपके द्वारा अपने उत्पाद, जिसके प्रतिरोधक स्वास्थ्य सेवा के लिए वास्तविक और महत्वपूर्ण परिणाम हैं, में निवेश की गई वर्षों की कड़ी मेहनत के लिए जोखिम उत्पन्न हो सकता है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) आपके लिए उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई क्या होगी? अपनी कार्रवाई का औचित्य सिद्ध कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

As a research and development analyst in a leading nutraceutical company, you have been actively involved in the development of a nutrient-rich biomass that improves skin and bone health. The research outcomes are promising, and your team is enthusiastic about the upcoming product launch. During routine inter-team meetings, you accidentally come across research trials and documents related to another product of your company. This product claims to reduce weight and enhance immunity, but upon closer inspection, you discover that the trials were falsely conducted, and the research outcomes were generalized, however, there were no side-effects of the product. The product works on the placebo effect only. The team responsible for this product seems to have overlooked taking these documents along with them after the inter-team meeting. As per company's policy, going through the research trials of other teams is strictly prohibited. The false claims associated with this product contribute significantly to its high sales within the company. If the information regarding the false claims is revealed, it could potentially harm the company, leading to severe consequences such as closure, and jeopardize the years of hard work you have invested in your product, which has genuine and significant results for preventive healthcare.

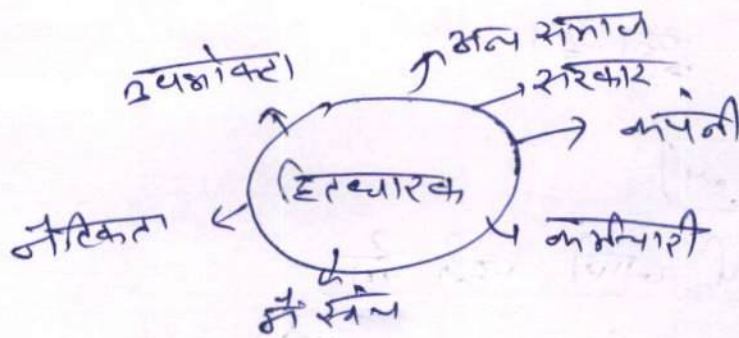
(a) What are the ethical issues involved in the above case?

(b) Evaluate the options available to you.

(c) What will be your course of action? Justify. (Answer in 250 words)

20

प्रमुख कोष सही से देना  
संशोधन द्वारा अपनी उत्पादों की बारी  
में आत्मिक जानकारी स्फुर करके लाभ  
कमाने का श्रद्धा है।



ii) नैतिक श्रद्धा :-

1) कार्पोरेट नैतिकता वास्तविक जीवन का श्रद्धा  
कंपनी द्वारा 'नैतिक कृत्यों' की श्रद्धा  
का दायित्व है।

ii) बाजारों के स्वास्थ्य की श्रद्धा :- इसी  
उत्पादों के उपयोग से मानव शरीर  
उनके स्वास्थ्य को खतरा।

iii) शैरी नैतिकी श्रद्धा का श्रद्धा :- शैरी  
द्वारा वास्तविक शरीर से शैरी  
कारिणर की श्रद्धा पढ़ना जा सकता है।

iii) कामचूने उल्लंघन का मुद्दा

सरकार द्वारा 'रिसे उत्पादी' व 'तामक विभापनी' पर रॉक व शज का प्रवधान किया हुआ है।

iv) कंपनी के लाभा का मुद्दा - कंपनी पर करे कमीचारिगी व उनके परिवारी का जीवन रिका हुआ है।

B. उपव्य विमल

i) कंपनी कार्य जारी रहने देना

मुज

(2018)

1) मौकरी सुरक्षा

• कंपनी की खजि वकी रहेगा

• स्वास्थ्य पर प्रभाव

• कनेटिकरा जालन से

काशुन तीइन

ii) शिकायत करना वसलत देना

मुज

(2018)

• उच्च नेतृत्व सलाह मानकर

उनिठ कदम उठा सकत है।

• कंपनी व लॉग दाने

के लाभा

• कंपनी द्वारा गरी

जाब पर शवाल

उठा जा सकत है।

iii) सलाह के मानने पर तगिपत्र व शिकायत मुज.

(2018)

- कंपनी के आलेकारनाओं  
जोनों का पता चलेगा
- समाज के प्रति कार्य  
कार्य सिद्धोत्तर का चलन
- कर्मचारी व  
उत्तक परिचारी पर  
संकेत  
गैरी जाँच व रिपोर्ट  
की कार्य में।

### ① कार्यवाही

- गैरी कार्यवाही कंपनी के सलाह देने  
की रहेगी ताकि के ऐसे किसी भी  
गैरजायगी गतिविधि का दिशा न लेना
- अगर कंपनी सलाह नहीं मानती है  
तो त्याग पत्र देकर शिकायत करना या  
वैशाल बनोकर मदद लेना (कर्मचारी ताकि  
कंपनी की जांच है व सच बाहर आए)

### हानिनिवारण

- गैरी हानिनिवारण के संकेत दूर होगा।
- कार्यवाही सिद्धोत्तर का चलन व  
समाज के प्रति कृत्रिम चलन होगा।
- गांधी जी के साथ जाया है।

मैट्रिकला बिना धन पर कार्या होगा

मतः अपनी कालत कार्या

की सामने जावा समाज में जागरूकता  
आना अच्छा होगा होगा। इस ही ई  
कार्यीय नसाली ई ई ई मिसलत  
की सूचना की समाज तरीके से लगी  
की प्रकाशित कर रही हैं।

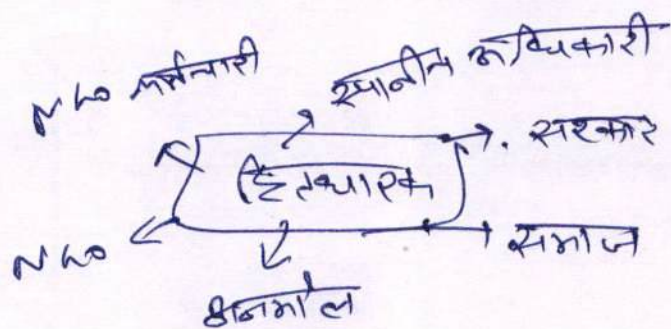
10. भारत के एक दूरस्थ और आकांक्षी जिले के मुख्य विकास अधिकारी अनमोल को एक जटिल नैतिक दुविधा का सामना करना पड़ रहा है। जिले को सरकार की हालिया विकास पहलों से लाभ मिला है, लेकिन यह अभी भी स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में संघर्ष कर रहा है। एक राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन(NGO) के साथ साझेदारी करते हुए अनमोल ने इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार देखे हैं, विशेषकर प्राकृतिक आपदाओं के दौरान, जब जीवनरक्षक दवाएं पहुंचाने में इस NGO की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण थी। इसी तरह की एक आपदा के दौरान, NGO ने लोगों को महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाइयां उपलब्ध कराने और लोगों की जान बचाने तथा संक्रामक रोगों के प्रसार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान अनमोल एवं NGO के कार्य को व्यापक रूप से सराहा गया और केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। हालांकि, अनमोल को बाद में पता चलता कि NGO स्थानीय अधिकारियों को प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए रिश्वत देने में संलग्न रहा है। हालांकि यह एक अवैध प्रथा है, लेकिन जिले में व्यापक रूप से प्रचलित है। अनमोल अब एक दुविधा में फंसा हुआ है, उसे यह निर्णय लेना है कि NGO द्वारा प्रदान की जाने वाली आवश्यक सेवाओं को खतरे में डाले बिना इस मुद्दे का समाधान कैसे किया जाए, क्योंकि ये सरकारी प्रयासों की पूरक हैं और इस क्षेत्र में कोई वैकल्पिक सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं।

- (a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे क्या हैं?  
(b) अनमोल के लिए उपलब्ध विकल्पों को सूचीबद्ध कीजिए और उनके गुण-दोषों का मूल्यांकन कीजिए।  
(c) अनमोल को कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? तर्क सहित औचित्य सिद्ध कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Anmol, the Chief Development Officer of a remote and aspirational district in India, faces a complex ethical dilemma. The district benefitted from the government's recent development initiatives, but it still struggles in the fields of health and education. Partnering with a national NGO, Anmol has seen significant improvements in these areas, especially during natural disasters when the NGO's role in delivering lifesaving medicines was critical. During one such disaster, the NGO played a significant role in providing critical life-saving medicines to people and prevented the loss of lives and spread of communicable diseases. Anmol's as well as the NGO's work during this time was recognised widely and even rewarded by the state and Central governments. However, Anmol later learned that the NGO has been involved in bribing local officials to operate effectively. This practice, although illegal, is seemingly widespread in the district. Anmol is now at a crossroads, having to decide how to address this issue without jeopardizing the essential services provided by the NGO, as they complement the government's efforts and there are no viable alternatives in the region.

- (a) What are the ethical issues involved in this case?  
(b) List the options available to Anmol and evaluate their merits and demerits.  
(c) Which option should Anmol choose and why? Justify with arguments. (Answer in 250 words) 20

प्रस्तुत करें। स्टडी में जागरण  
संगठन ब्यानी NCo द्वारा सुधार की  
उप में गलत प्रणालियों के समाधान  
का मुद्रा दिया गया है।



### A. नैतिक मुद्दे

- i) NCo के लिए बनाए गए अध्यायों का मुद्रा  
जिस प्रकार में NCo द्वारा साका के लिए  
गलत जागरण करना समाज के लिए  
निरा की बात।
- ii) सदस्यों के साथ निष्ठा दरमाम NCo के  
आपदा में सहायता कार्य करके लोगों को  
या कर्मचारी का विश्वास बनाने किता।  
इस NCo के प्रति लोगों की दुर्भाव  
पर नकारात्मक असर होगा।
- iii) स्थानीय अधिकारी मिलीभगत का मुद्रा  
स्थानीय अधिकारियों द्वारा सर्व कर

पर काबू का उल्लंघन करने वाले  
प्रथा को जगत् में वास्तविक है।

iv) N 60 पर कार्रवाई का गुण:-

N 60 पर किसी तरह की कार्रवाई समाप्त  
में अच्छा नियंत्रण देने वाले संस्थान  
को समाप्त की गई है।

v) अन्तर्गत वनज वानुन

एक और अन्तर्गत का इतिहास  
एक और कानून की गजरी में गलत कार्य पर  
कार्रवाई की प्रेरणा।

⑥ उपलब्ध विवरण

i) N 60 के साथ निजीकरण करना

गुण

दोष

- अन्तर्गत को भी लक्ष्य मिलेगा।
- अन्तर्गत संस्था का ध्यान
- N 60 के सरकारी अन्तर्गत का ध्यान
- के कार्य जारी रहेंगे।
- सिविल सेवा गुणों का ध्यान
- लक्ष्यों में संस्थागत
- अन्तर्गत को कार्रवाई
- धारणा बनी रहेंगे।
- धारणों की संख्या।

ii) N 60 के अन्तर्गतों पर कार्रवाई

गुणदोष

- |                         |               |
|-------------------------|---------------|
| • अच्छा उपकरण पंजा होगा | • NGo बंद     |
| • क्विज में कृषिपार     | • समाज कल्याण |
| के धारण में सहायक       | बंद           |
| • सिविल सेवा मुख्य      |               |
| पालन                    |               |

2.) NGo को जारी रखें और शाखाकारियों पर कार्रवाई।

गुणदोष

- |                   |  |
|-------------------|--|
| • NGo चलते रहेंगे | • अच्छा काम करने वाले शाखाकारियों का मतलब व अनुभव नहीं मिले जायेंगे। |
| • कृषिपार धन होगा |  |

2.) कार्रवाई

1.) NGo के शाखाकारियों को चयननी देने चाहिए व स्थानीय सरकारी शाखाकारियों पर कार्रवाई करनी चाहिए।

2.) अगर कार्रवाई व चयननी के बावजूद NGo के कर्मचारी जैसे कार्य गतिविधि में शामिल जाते हैं तो सखी पर कार्रवाई करना।

→ इसी कारण इस NDC के गठन की भी जो उपरोक्त बातों की भाँति समाज में बदलाव लाने में मदद करेगा।

### सौचिक

→ भ्रष्टाचार निवारण विधेयक, 1988  
→ नागरिक समाज की विरवास को पकड़ रखना जरूरी।

इस NDC के आंतरिक  
प्रशासन में विजय कुमार समिति की  
दृष्टांतकारी की जाइ करके उनकी  
अतिविधियों की मॉनिटरिंग क उन्नत  
का कोल्पाण सुनिश्चित किया जा सकता है।

11. एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले रवीश ने एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने के लिए कड़ी मेहनत की। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों के साथ स्नातक होने के बाद उसने एक प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनी में एक अच्छी सैलरी वाली नौकरी प्राप्त की। महत्वाकांक्षा से प्रेरित होकर उसने कुछ वर्षों का अनुभव प्राप्त करने के बाद स्टार्ट-अप शुरू करने के लिए नौकरी छोड़ दी।

देश में स्टार्ट-अप बूम के कारण, रवीश को निवेशकों से अपेक्षाकृत आसानी से पर्याप्त पूंजी प्राप्त करने में सफलता मिली। उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण ने उनके स्टार्ट-अप की तीव्र वृद्धि और सफलता को बढ़ावा दिया।

हालांकि, जब कंपनी समृद्ध होने लगी, तब रवीश की विलासिता पूर्ण जीवनशैली ने लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना शुरू कर दिया। संस्थापक और सी.ई.ओ. के रूप में उसे संतोषजनक वेतन मिलता था, जो कि उसकी कंपनी को शून्य से खड़ा करने की मेहनत के लिए उचित था।

कुछ वर्षों बाद, आर्थिक मंदी ने रवीश की स्टार्ट-अप कंपनी को वित्तीय संकट में डाल दिया। अब निवेशकों ने लाभप्रदता पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपना समर्थन वापस ले लिया, जिससे रवीश पर व्यवसाय को बनाए रखने के लिए लागत में कटौती करने का अत्यधिक दबाव आ गया। परिणामस्वरूप, उसने कर्मचारियों की संख्या कम करने का फैसला किया और एक व्यक्तिगत वीडियो संदेश के माध्यम से अपने कर्मचारियों को इस निर्णय के बारे में सूचना दी।

वीडियो के रिलीज होने के कुछ ही घंटों के भीतर यह संदेश रवीश की दो महीने पहले हुई भव्य शादी की तस्वीरों के साथ सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। लोगों ने रवीश की इस बात के लिए आलोचना की कि उसने एक तरफ तो बहुत बड़ी संख्या में कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया, वहीं दूसरी तरफ अपनी विलासिता पूर्ण जीवनशैली का आनंद ले रहा था।

(a) दिए गए प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट संगठनों में शीर्ष-स्तरीय नेताओं और उनके अधीनस्थों के बीच पारिश्रमिक संबंधी असमानताओं से जुड़े नैतिक पहलुओं पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Ravish, hailing from a modest background, worked diligently to gain admission to a prestigious university. After graduating with commendable academic credentials, he secured a well-paying job at a leading multinational company. Driven by ambition, he left the job after gaining a few years of experience to launch his own startup.

Thanks to the startup boom in the country, Ravish was able to secure significant capital from investors with relative ease. His hard work and dedication fueled the rapid growth and success of his startup.

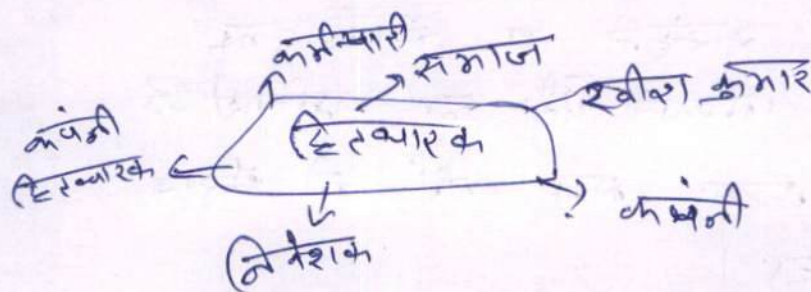
However, as the company flourished, Ravish's extravagant lifestyle began to attract public attention. As the founder and CEO, he drew a substantial salary, believing it to be justified given his efforts in building the company from scratch.

A few years later, an economic downturn put Ravish's startup under financial strain. Investors, now focused on profitability, withdrew their support, leaving Ravish under immense pressure to cut costs in order to sustain the business. Consequently, he decided to downsize the workforce and communicated this decision through a personalized video message to his employees.

Within hours of the video's release, it went viral on social media, accompanied by images from Ravish's lavish wedding that had taken place just two months prior. The public criticized Ravish for his opulent lifestyle while simultaneously laying off a significant number of employees.

- (a) What are the ethical issues involved in the given case?
- (b) In light of the above case, discuss the ethical considerations regarding disparities in remuneration between top-level leaders and their subordinates in corporate organizations. (Answer in 250 words) 20

दिए दी गई कस रसदी डी  
नरुतव कसरी के डरर डपनी डिजी  
जीवन की गलत प्रपणों का पालन व  
शारीरिक जीवन डी भावनात्मक बुद्धिमत्ता  
का परिचय न डी के मुद्दे शामिल  
किए गए हैं।



क) नैतिक मुद्दे

i) नरुतव का गलत डालरण डी कंपनी  
के नरुतव कसरी डी कंपनी की डिश डिव्यारक  
डिडी डी। डरर: गलत डालरण डरी कंपनी  
के डिए डी डिव्यारक

ii) कर्मचारी नैतिकी मुद्दे डी यह कर्मचारी

के निजी क्षेत्र द्वारा शोषण को एक रूप एक जग बाहर करना उनके निजी जीवन पर बुरा असर डालता है।

iii) स्टार्टअप के फंडिंग का मुद्दा:- स्टार्टअप एक जग गरी करते हैं परंतु अनुभव कम है। गरी को स्मिटर रखने के उपाय जानी बनता, निवेश जैसे उपाय नहीं कर पाते।

iv) दिलचस्पी पर प्रभाव :- कंपनी के ग्राहकों पर भी दुष्प्रभाव साथ ही निवेशकों की राशि डूबने का खतरा।

v.) अवस्थिति का मुद्दा :- कंपनी अवस्थिति व जीवनकाल के बुद्धिमत्ता का परिचय देते हुए प्रतिक्रिया के परिवार का धिक्का मन को भी कैसा करना चाहिए।

(B) श्रीव नेतृत्व व कम्पनीनस्था के बीच कारिगतिक नैतिक मुद्दे

i) कसमानता की बढ़ावा :- श्री कसमान नेतृत्व से अनाम से कसमानता बढ़ती है व कारिगतिकरण के बीच अलगाव अवसाद का कारण भी बनती है।

ii) उपाय नेतृत्व से श्रीव नेतृत्व की गरी

मानव का विकास जो व्यक्तिगतताओं की शक्ति को कुशल पट्टा है।

iii) विलासिता पूर्ण प्रकार :- किसी भी व्यक्ति द्वारा ही का उच्च प्रयोग या विचार समाज के लिए हानिकारक।

iv) अपनी ही शक्ति पर सबल उठना :- पूर्ण है कि अगर अपव्यय के कार्य प्रकृत के समान अपनी ही के लिए बहुत शक्ति है चार है व कर्मचारियों के शक्ति के साथ विलंब है।

### समाधान

- 1. असमानता को रोकना चाहिए
- 2. भिन्न जीवन व सामाजिक जीवन में पूरी रचना चाहिए।
- 3. सुका शक्ति जैसे उदाहरणों से सीखना ही जीवन में शालीनता व स्वयं वचन का पालन करती है।

उदा: स्टार्टअप के संचालन में साथ कार्य सशक्ति का विकास व नैतिक नैतिकता का विकास ही

स्टार्ट अप की शकलता को सुनिश्चित करता है।

... ..

... ..

... ..

... ..

... ..

... ..

12.

विक्रम, जो एक बरिष्ठ डेटा वैज्ञानिक हैं, एक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) सिस्टम विकसित करने वाली टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। उसे उपयोगकर्ता के व्यवहार के आधार पर व्यक्तिगत सिफारिशें प्रदान करके ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना है।

इस परियोजना की सफलता न केवल कंपनी की संवृद्धि के लिए बल्कि विक्रम की टीम के लिए भी महत्वपूर्ण है, जो पिछले कुछ महीनों में खराब प्रदर्शन कर रही है। जोखिम बहुत बड़ा है और यदि टीम इस परियोजना को पूरा करने में विफल रहती है तो इसे निलंबित किया जा सकता है।

विक्रम की टीम AI एल्गोरिदम की सटीकता को सुधारने के लिए उपयोगकर्ताओं की खरीदारी का इतिहास, अवस्थिति के आंकड़े, स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड और सोशल मीडिया गतिविधियों सहित संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारी को शामिल करने पर विचार कर रही है। यद्यपि इससे सिस्टम की प्रभावशीलता में काफी वृद्धि हो सकती है, लेकिन यह निजता और संवेदनशील डेटा के संभावित दुरुपयोग के बारे में चिंताएं भी उत्पन्न हो जाती है।

इसके अलावा, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर पहले भी डेटा चोरी की घटना हो चुकी है और इससे हजारों उपयोगकर्ताओं की निजी जानकारी अनधिकृत संस्थाओं के लिए उजागर हो गई थी। इस घटना का व्यापक स्तर पर प्रचार हुआ, जिसके कारण कंपनी के खिलाफ विनियामक जांच और उचित कानूनी कार्रवाई की गई।

विक्रम पर कंपनी के विपणन विभाग द्वारा यह दबाव डाला गया है कि वह उपयोगकर्ता की निजता के बजाय राजस्व सृजन को प्राथमिकता दे। विपणन टीम ने सुझाव दिया कि ऐसी कार्यनीतियां लागू की जाएं जो उपयोगकर्ताओं को अधिक खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहित करें, भले ही इसके लिए उनकी प्राथमिकताओं में हेरफेर करना पड़े या उनके बीच एक तरह की तात्कालिकता की भावना पैदा करनी पड़े।

(a) विक्रम द्वारा AI सिस्टम विकसित करते समय सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) इस मामले को सुलझाने के लिए विक्रम के पास कौन-कौन से विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) नैतिकता AI सिस्टम का अभिन्न अंग कैसे बन सकती है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Vikram, a senior data scientist, is leading a team to develop an Artificial Intelligence (AI) system for a e-commerce platform. He has to enhance customer experience by providing personalized recommendations based on user behaviour.

The success of this project is critical not only for the company's growth but also for Vikram's team, which has been underperforming in the recent months. The stakes are high, and the team is at risk of suspension if it fails to deliver on this project.

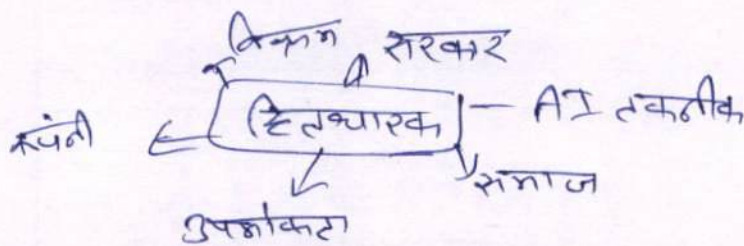
To improve the accuracy of the AI algorithms, Vikram's team considers incorporating sensitive personal information, including users' purchasing history, location data, health records and social media activities. While this could significantly enhance the system's effectiveness, it raises concerns about privacy and the potential misuse of sensitive data.

Also, a data breach has occurred earlier on the e-commerce platform, and personal information of thousands of users was exposed to unauthorized entities. The incident became widely publicized, leading to regulatory scrutiny and potential legal action against the company.

Vikram faces pressure from the company's marketing department to prioritize revenue generation over user privacy. The marketing team suggests implementing tactics that subtly encourage users to make more purchases, even if it means manipulating their preferences or creating a sense of urgency.

- (a) Identify the ethical issues faced by Vikram in developing the AI system.  
 (b) What are the options available to Vikram in addressing this case?  
 (c) How can ethics be an integral component of AI systems? (Answer in 250 words) 20

प्रस्तुत जैसे रही हैं AI  
 जैसी तकनीकों के कार्यान्वयन में प्रयोग  
 के दुष्परिणामों को ध्यान में रखा गया है  
विजय के कार्यान्वयन से जिम्मेदार करती हैं।



AI सिस्टम विकास में नैतिक मुद्दे

- i) प्रोग्रामेड प्रत्येक तकनीक विकास :- AI जैसी तकनीक विकास में दुर्व्यवहार से बड़ी जैसे मुद्रों का पालन करनी।
- ii) जिम्मेदार और सुरक्षा का मुद्दा :- जिम्मेदार के इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए अपना यह उनके जैसी जीवन में इसके का कार्य करनी।
- iii) कंपनी के लाभ का मुद्दा :- कंपनी द्वारा लाभ पर किस उनकी कार्यान्वयन लिखें

पर सवाल उठता है।

- (iv) समाज में साम्बर अपराध शेखरा मुद्रा -  
नरह ईरा जादूनी का उल्लेख करके है  
साम्बर अपराध बढ़ सकता है।

### (B) उपलब्ध विकास

#### i) कंपनी कॉर्पोरेशन

गुण

- कंपनी लागू जारी
- नॉर्मली पर खतरा नहीं

दोष

- कॉर्पोरेशन की निजता का खतरा
- समाज को खतरा

#### (ii) कंपनी को सलाह देना व सचिवों से AI तकनीक विकासवादा करने

गुण

- कंपनी को नॉर्मली सलाह देना, उपलब्ध शेखरा
- ईरा जादूनी पालन, साम्बर शेखरी खतरा नहीं

दोष

- कंपनी द्वारा सलाह न मानने पर खतरा

#### (iii) प्रागपत्र देना

गुण

- अंतराज्जा का संकेत देना

दोष

- कंपनी अपना कार्य जारी रखेगी
- समाज पर खतरा बना रहेगा।

↳ इसी स्थिति में दूसरे विकल्प विकारा पर जांच करना चाहिए। विकल्प की अपनी ताकत पर विश्वास रखते हुए कंपनी का बर्बाद होना चाहिए।

→ कंपनी में रहते हुए विकल्प का नैतिक दायित्व भी बनता है कि वह इसी सवनीक तैयार करे जो शक्ति में सुरक्षित है और सभी के लिए उदाहरण का जांच करे।

→ कंपनी द्वारा राजाह न भांगरी पर स्थापित पैसा कंपनी की जांच व खिफामत बारी के त-द्वारा समान का शक्ति सुरक्षित रखना जरूरी।

नैतिकता AI का तमिन्न बंगे कर्ते?

i) लोगों का नैतिक दैनिक भांगरी की न  
कहा - मानवता बिना बिनाग हासिलारक  
में AI विकास में लोगो की मानवता का रक्षण रखना चाहिए।

ii) नैतिकता का सुविचारण प्रकट रहना &

बनाने वाले के प्रवृत्ति AI तक  
न पहुंचना कृत्रिमिकरण करने से AI  
नैतिक होगी।

ब) अच्छे कार्यों के लिए निर्माण: AI का  
प्रयोग मानवता के साक्षात्कार के लिए किया  
जाएगा जो उसके नैतिकता के कहर को  
भी जमा होगा।

इस AI को नैतिक बनाना  
जिसकी ई, साथ में K.C. गुडास्वामी के

2017 (नियंत्रण सुरक्षा) ए B.N. श्रीकृष्णा  
समिति की रिपोर्ट पर डब्ल्यू.एस.जी.

का वास्तव करना सहायक कदम होगा।

Handwritten text at the top of the page, possibly a title or header.

Second line of handwritten text, appearing to be a list or series of items.

Third line of handwritten text, continuing the list or notes.

Fourth line of handwritten text, possibly a sub-section or specific note.

Fifth line of handwritten text, continuing the list.

Sixth line of handwritten text, featuring a large bracket on the left side.

Seventh line of handwritten text, continuing the list or notes.

Eighth line of handwritten text, continuing the list or notes.

Ninth line of handwritten text, continuing the list or notes.